ICSSR Sponsored
ISSN: 2319-9997
Journal of Nehru Gram Bharati University, 2025; Vol. 14 (II):290-296

विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

मीना यादव एवं किरन सिंह

शिक्षाशास्त्र, नेहरू ग्राम भारती (मा0)विश्वविद्यालय, प्रयागराज

Received: 27.07.2025 *Revised: 17.09.2025* *Accepted: 15.10.2025*

सारांश

शोधार्थी द्वारा ''विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन'' किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान की कार्योत्तर अनुसंधान विधि का प्रयोग किया है, इसे सह-सम्बन्धात्मक शोध भी कहा जाता है। प्रस्तुत अध्ययन के लिए प्रयागराज जनपद के अन्तर्गत उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा सम्बद्ध ग्रामीण क्षेत्र में स्थित 40 माध्यमिक विद्यालयों का लाटरी विधि द्वारा चयनित कर उनमें अध्यापनरत् 200 शिक्षकों का चयन (100 महिला एवं 100 पुरुष शिक्षकों) का साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से किया है। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि को मापने के लिए डा0 (श्रीमती) मीरा दीक्षित, शिक्षाशास्त्र विभाग, नेशनल डिग्री कालेज, लखनऊ द्वारा निर्मित ''जाब सैट्सिफैक्शन स्केल'' (कार्य संतुष्टि मापनी) का प्रयोग किया है। प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए प्रसरण विधि (एफ-अनुपात) एवं टी-अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया है। अध्ययन के निष्कर्ष- उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों में अन्तर है अर्थात् विद्यालयी वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को प्रभावित करती है।

मुख्य शब्द *-माध्यमिक विद्यालय, विद्यालयी वातावरण, शिक्षक, कार्य संतुष्टि, प्रसरण मान, टीअनुपात-*

प्रस्तावना-

शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को शिक्षकों की उन नौकरी या शिक्षक भूमिकाओं के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के रूप में परिभाषित किया जा सकता है इस अध्ययन में शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर शिक्षकों प्राचार्य और स्कूल आधारित कर को के निर्धारकों की जांच करना है।

शिक्षक अपने छात्रों का अध्ययन संबंधी कार्य सभी परिस्थितियों में करता है क्योंकि वह उनसे सर्वाधिक निकट संपर्क में रहता है वह छात्रों को उसकी आवश्यकताओं के अनुसार जानकारी देता है एवं विभिन्न समस्याओं का भी उसे ज्ञान होता है अतः शिक्षक निर्देशक कार्यक्रमों में अपना अधिकार अधिक सहयोग प्रदान कर सकता है शिक्षकों के निर्देशन संबंधी कार्य तथा उत्तरदायित्व निम्न है !

- छात्रों के साथ है व्यक्तिक संपर्क स्थापित करना। को समायोजित बालकों का पता लगाना।
- अभिभावकों से संपर्क स्थापित करना। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से संपर्क स्थापित करना।
- छात्रों को पुस्तकालय का समुचित उपयोग करना सीखना।
- विद्यार्थियों के अधिक विकास के लिए परिस्थितियों का निर्माण करना पूर्ण सहगामी क्रियो का आयोजन करना। जिन छात्रों का साक्षात्कार लिया जा चुका है उनकी रिपोर्ट को छात्रों को प्रदान करना। अपने विषय से संबंधित व्यवसाय एवं शैक्षिक अवसरों की सूचनाओं छात्रों को प्रदान करना।
- निर्देशन कार्यक्रम को अधिक सफल बनाने के लिए प्रधानाचार्य तथा उपभोधक को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करना।
- छात्रों की परीक्षाएं लेने में सहायता करना। ऐसे बालकों को जो अधिगम में कठिनाई अनुभव करते हैं उनको उपभोधक के पास भेजना।

कक्षा अध्यापक के निर्देशन संबंधी कार्य-

जिन विद्यालय में कक्षा अध्यापक निर्देशन संबंधित उत्तरदायित्व को स्वीकार करता है वहां के अध्यापन तथा निर्देशन संबंधी उत्तरदायित्व में विभाजन असंभव है। शिक्षक छात्रों को स्वयं की योजनाओं को समझने के कार्य का चयन करके स्वयं की प्रगति का मूल्यांकन करने में मदद करता है। कक्षा अध्यापक एवं निर्देशन कार्यक्रम के बीच गहन संबंध होना चाहिए शिक्षक छात्रों का निरीक्षण भिन्नभिन्न परिस्थितियों में करता है। अतः कक्षा अध्यापक शिक्ष-ार्थियों से संबंधित कार्यों तथा उत्तरदायित्व का निर्वाह करके वह भिन्न तथ्यों के संबंध में निर्देशन कार्यकर्ताओं को जानकारी प्रदान कर सकता है।

1. कक्षा में उत्तम वातावरण पैदा करना
2. अन्य निर्देशन कार्यकर्ताओं को अपना सहयोग प्रदान करना।
3. कुसमायोजित छात्रों के संबंध में पूर्ण जानकारी होना ।

4. परामर्श प्रक्रिया का ज्ञान भी कक्षा अध्यापक को होना चाहिए जिससे वह छात्रों को व्यक्ति परामर्श दे सके।

समस्या कथन-

''विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।''

अध्ययन का उद्देश्य-

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है-

1. विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. उच्च एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना-

उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है-

1. विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. उच्च एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रयुक्त शोध-विधि-

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान की कार्योत्तर अनुसंधान विधि का प्रयोग किया है, इसे सहसम्बन्धात्मक शोध भी कहा जाता है।-

शोध की जनसंख्या-

वर्तमान अध्ययन हेतु शोधार्थी ने प्रयागराज जनपद के अन्तर्गत उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा सम्बद्ध ग्रामीण क्षेत्र में स्थित माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षकों को जनसंख्या के रूप में माना है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श-

प्रस्तुत अध्ययन के लिए प्रयागराज जनपद के अन्तर्गत उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा सम्बद्ध ग्रामीण क्षेत्र में स्थित 40 माध्यमिक विद्यालयों का लाटरी विधि द्वारा चयनित कर उनमें अध्यापनरत् 200 शिक्षकों का चयन (100 महिला एवं 100 पुरुष शिक्षकों) का साधारण यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से किया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के कार्य संतुष्टि को मापने के लिए डा0 (श्रीमती) मीरा दीक्षित, शिक्षाशास्त्र विभाग, नेशनल डिग्री कालेज, लखनऊ द्वारा निर्मित ''जाब सैट्सिफैक्शन स्केल'' (कार्य संतुष्टि मापनी) का प्रयोग किया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ:

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए प्रसरण विधि एवं (अनुपात-एफ)टी-अनुपात सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

उद्देश्य-1 विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन-

H_{01} विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि पर पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 1

उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य एफमान-

स्रोत	सार्थकता	वाह्य वर्ग योग	आन्तरिक वर्ग योग	एफमान-
समूह के मध्य	2	20164.10	10082.05	
समूहों में अन्तर	197	62506.09	317.29	31.78*
कुल	**199**	**82670.20**	**10399.34**	

*.01 (4.82) एवं .05 (.3.09) सार्थकता स्तर पर सार्थक

व्याख्या-

उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य एफ-मान 31.78 है जो कि सार्थकता स्तर .01 (4.71) एवं .05 (3.04) सार्थकता स्तर पर दिये गये क्रान्तिक-मान से अधिक है, जो सार्थक है। परिणामतः कह सकते हैं कि उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों में अन्तर है अर्थात् विद्यालयी वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को प्रभावित करती है।

उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य टी-मान उपरोक्त सारणी में अंकित किया गया है, जो निम्नांकित है-

सारणी सं0 1.1

उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य टीमान का अन्तर-

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t- मान
1-	उच्च विद्यालयी वातावरण	51	184.86	3.09	5.16	1.67*
	मध्यम विद्यालयी वातावरण	96	179.70			

*.01 (2.61) एवं .05 (1.98) सार्थकता स्तर पर असार्थक

व्याख्या-

सारणी में दिये गये मान से ज्ञात होता है कि उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान क्रमशः 184.86 एवं 179.70 एवं मध्यमानों का अन्तर 5.16 है तथा मानक त्रुटि 3.49 है। उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान के मध्य टी-मान1.67 है जो .01 एवं .05 सार्थकता स्तर पर दिये गये क्रान्तिक मान 2.61 एवं 1.98 से कम है जो सार्थक नहीं है। उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में अन्तर नहीं है।

सारणी सं0 1.2

उच्च एवं मध्यम विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य टीमान का अन्तर-

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t- मान
1-	उच्च विद्यालयी वातावरण	51	184.86	3.49	25.62	7.33*
	निम्न विद्यालयी वातावरण	53	159.25			

*.01 (2.62) एवं .05 (1.98) सार्थकता स्तर पर सार्थक

व्याख्या-

सारणी में दिये गये मान से ज्ञात होता है कि उच्च एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान क्रमशः 184.86 एवं 159.25 एवं मध्यमानों का अन्तर 25.62 है तथा मानक त्रुटि 3.49 है। उच्च एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान के मध्य टी-मान7.33 है जो .01 एवं .05 सार्थकता स्तर पर दिये गये क्रान्तिक मान 2.62 एवं 1.98 से अधिक है जो सार्थक है। उच्च एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में अन्तर है।

सारणी सं0 3

मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों के मध्य टीमान का अन्तर-

क्र.सं.	चर	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	σ_D	D	t- मान
1-	मध्यम विद्यालयी वातावरण	96	179.70	3.05	20.45	6.71*
	निम्न विद्यालयी वातावरण	53	159.25			

*.01 (2.62) एवं .05 (1.98) सार्थकता स्तर पर सार्थक

व्याख्या-

सारणी में दिये गये मान से ज्ञात होता है कि मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान क्रमशः 179.70 एवं 159.25 एवं मध्यमानों का अन्तर 20.45 है तथा मानक त्रुटि 3.05 है। मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमान

के मध्य टी मान-6.71 है जो .01 एवं .05 सार्थकता स्तर पर दिये गये क्रान्तिक मान 2.62 एवं 1.98 से अधिक है जो सार्थक है। अतः मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में अन्तर है।

निष्कर्ष-

अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये-

- उच्च, मध्यम एवं निम्न विद्यालय वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्यमानों में अन्तर है अर्थात् विद्यालयी वातावरण का ग्रामीण महिला एवं ग्रामीण पुरुष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि को प्रभावित करती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- एच. शामिना (2014). इम्पैक्ट आफ जाब सेटिसफेक्शन आन प्रोफेशनल कमिटमेन्ट इन हायर एजूकेशन, ग्लैक्सी इण्टिमा ओनल इण्टरडिस्पिलनरी रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम-2(2). पृ0 1-11।
- ए.जे. सेनीवोलिबा (2013). टीचर मोटिवेशन एण्ड जाब सैट्सिफैक्शन इन सीनियर हाईस्कूल्स इन द टाम्पले मेट्रोपोलिस आफ घाना, मेरिट रिसर्च जर्नल्स, वा0 1(9). पृ0 181-196
- कुमारी, बबिता (2021). वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षणरत् शिक्षकों के तनाव एवं व्यावसायिक सन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन, अप्रकाशित लघु शोध प्रबन्ध, नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय). प्रयागराज
- योहन्नेस (2014). मोटिवेशनल फैक्टर्स दैड इफेक्ट टीचर्स वर्क परफार्मेन्स इन सेकेण्डरी स्कूल्स आफ जिजिगा सिटी, सोमाली रिजिनल स्टेट इथीयोपीया, डिपार्टमेण्ट आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड मैनेजमेण्ट, स्कूल आफ ग्रेजुएट स्टडीज, हरमाया यूनिवर्सिटी।
- राजू, टी.जे.एम.एस. (2011). पर्सनालिटी एडजेस्टमेन्ट एण्ड जाब सेटिसफेक्शन एमंग द लेक्चरर्स वर्किंग इन जूनियर कॉलेज, रिसर्च पेपर, आई-मैनेजर्स जनरल आफ एजूकेशनल साइकोलाजी, वाल्यूम-5, नं0 2, पृ0 45-49
- शर्मा (2005). सेवापूर्ण तथा सेवारत अध्यापकों की भावात्मक दक्षता का अध्ययन, पी-एच0डी0, शिक्षा जोधपुरः जोधपुर विश्वविद्यालय।

Disclaimer/Publisher's Note:

The statements, opinions and data contained in all publications are solely those of the individual author(s) and contributor(s) and not of JNGBU and/or the editor(s). JNGBU and/or the editor(s) disclaim responsibility for any injury to people or property resulting from any ideas, methods, instructions or products referred to in the content.